विश्व वाणी
समर्पण
Rs. 10/- | Vol. 37 - Issue 2 | February 2024

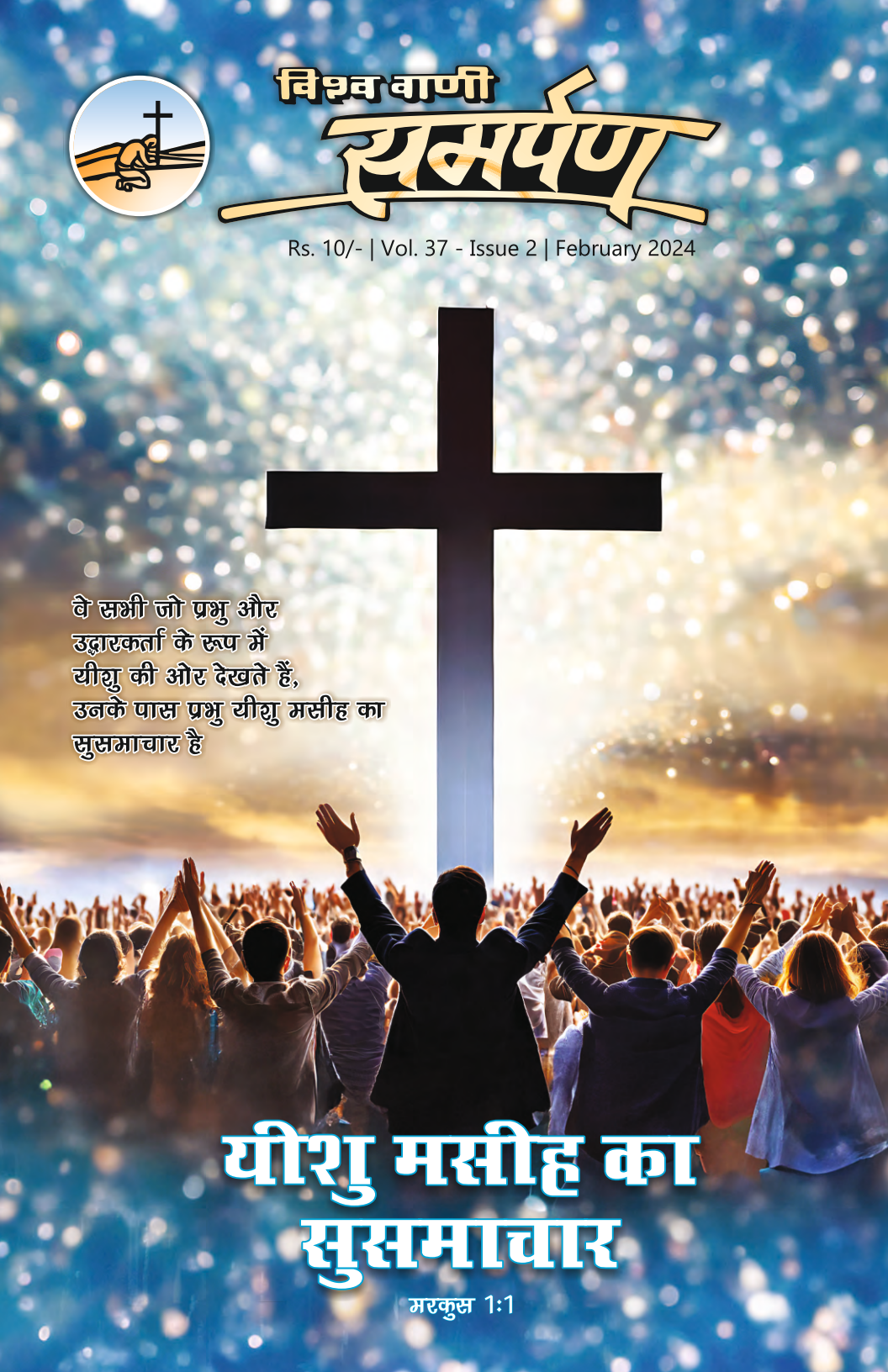

वे सभी जो प्रभु और
उद्धारकर्ता के रूप में
यीशु की ओर देखते हैं,
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का
सुसमाचार है

यीशु मसीह का सुसमाचार

मरकुस 1:1

February 2024

विश्ववाणी समर्पण

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

विषय सूची

02 मनन के विषय
03 कार्यकारी निर्देशक...
07 जीवनदायक सुसमाचार
12 विशेष आकर्षण
20 नेटवर्क चेयरमैन...
24 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...
28 कार्यक्षेत्र के समाचार

भाई एमिल जेबासिंह के

मनन के विषय

➪कलीसिया क्यों है?
यीशु मसीह का सुसमाचार
घोषित करने के लिए
मंदिर क्यों है? बढ़ोतरी के लिए
जैसे बरगद के पेड़
पेड़ अपनी जड़ें फैलाता है।

➪यीशु मसीह ने
मनुष्यों को कभी प्रसन्न नहीं किया
और कहा, "आओ मेरे पीछे हो लो"
कभी मनुष्यों के सामने गिड़गिड़ाकर कर
यह न कहें, "मुझे दे दो"
सब उम्मीदें हृदय से हैं !

➪नई दाखलता जीवन का लहू है
नया जीवन का मूल्य
वह लहू है जिससे हृदय धुला है!

➪धर्म के लिए धन की आवश्यकता होती है,
लेकिन यीशु को हृदय की आवश्यकता है!

➪धर्म विज्ञापन है
सुसमाचार संदेश है!

➪बुलाहट
सुसमाचार को स्वीकार करने की है
आज्ञा सुसमाचार का प्रचार करने की है!

➪क्रूस के पीछे छुपे बिना
हम यीशु को ऊँचा नहीं उठा सकते,
यीशु का अनसरण किये बिना
हम सेवकाई को नहीं बढ़ा सकते!

➪सभी का स्वागत है
यह संसार है,
भारी बोझ से लदे हुए लोगों
मेरे पास आओ
यह सुसमाचार है!

कार्यकारी निर्देशक की ओर से पत्र...

यीशु मसीह के अतुलनीय नाम में उन लोगों के लिए जिनके पाप क्षमा कर दिए गए हैं और जिन्होंने सुसमाचार की आशीष को स्वीकार कर लिया है, आपको हमारा सप्रेम नमस्कार।

हमने आन्नदपूर्वक यीशु मसीह का जन्म और नया साल मनाया है। हम अब नए परिवर्तनों के साथ आगे बढ़ रहे हैं और उस दिशा में जा रहे हैं जो परमेश्वर ने हमें दिखाई है। हमारी यात्रा भले ही सहज न हो, लेकिन यीशु मसीह जिसने कहा कि युग के अंत तक हमारे साथ रहेगा, वह हमारे साथ है। जिसने कहा, "चलो हम उस पार चलते हैं" वह हमारे साथ है और इसलिए हमें चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है!

आज हमें केवल प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार में आशा है क्योंकि अन्य चीजें नष्ट हो जाएंगी। लेकिन परमेश्वर के वचन में हमारे पापों को क्षमा करने और हमें जीवन देने की शक्ति है! इसलिए जो सेवक इस गौरवशाली सुसमाचार को प्रचार करते हैं वे लोगों के हृदय के परिवर्तन के बारे में चिंतित है। यह बड़े सौभाग्य की बात है कि आप इस सेवकाई का हिस्सा है! हमारा दर्शन है कि लोगों को यह महान आशीष नहीं खोना चाहिए।

यीशु, परमेश्वर का पुत्र

यीशु ने लोगों को उनके पापों से बचाया है (मत्ती 1:21), वह खोए हुओं को ढूंढ़ने आया था (लूका 19:10) वह परमेश्वर के वचन के रूप में प्रकट हुआ था (यूहन्ना 1:1,14)। इसलिए यीशु मसीह मनुष्य और परमेश्वर का पुत्र दोनो है। वह ईश्वरीय और मानवीय दोनों है। वह सुसमाचार का स्त्रोत है जो मानव जाति को आशा देता है। वे सभी जो उसके अधिकार को स्वीकार करते हैं, उन्हें परमेश्वर की संतान बनने का विशेषाधिकार प्राप्त है। (यूहन्ना 1:12)

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के लिए मार्ग तैयार किया:

पहले राजा लोग अपने लिए रास्ता तैयार करने के लिए अपने आगे लोगों को भेजते थें। यह व्यक्ति भी राजा के लिए मार्ग तैयार करता है और उसके आने की घोषणा करता है। यशायाह 40:3, मलाकी 3:1, 4:5,6 घोषणा करता है कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को यह कार्य करने के लिए पहले ही से नियुक्त किया गया था।

हम मरकुस 1:2,3 में पढ़ते हैं कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के लिए मार्ग तैयार किया और उनके आने की घोषणा की। हमें भी उन लोगों को चेतावनी देने के लिए बुलाया गया है जो पाप में जीवन व्यतीत कर रहे हैं कि उन्हें अपने जीवन में सुधार करना चाहिए क्योंकि यीशु दुनिया का न्याय करने के लिए राजा के रूप में वापस आने वाले है और हमें उन्हें तैयार करने की आवश्यकता है ताकि वे भी प्रभु से मिल सकें।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने खुद को नम्र किया और यीशु को उठाया:

हम लूका 3:1–18, मत्ती 3:1–12 में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के जीवन के बारे में पढ़ते हैं। हमें पश्चाताप् का फल देना चाहिए क्योंकि यह बपतिस्मा के माध्यम से एक व्यक्ति के मसीह पर विश्वास को स्वीकार करने का एक हिस्सा है। उसे मसीहा से पहले भेजा गया

था (मलाकी 4:5, मत्ती 11:10–14)। यीशु ने स्वंय गवाही दी (यूहन्ना 5:33,35) कि वह सत्य की गवाह है और प्रकाश की तरह चमकता हैं

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला जन्म से नाजीर था (लूका 1:13–17)। वह लम्बे समय तक मृत सागर के पश्चिम में यहूदिया के रेगिस्तान में रहा। उसका पहनावा और खान–पान सादगी भरा था। लेकिन उसकी सेवकाई सामर्थशाली थी। वह उन कार्यों को करने में सक्षम था जो याजक 4 शताब्दियों तक करने में असमर्थ थे। हम लूका 3:9–14 में पढ़ते हैं कि लोगों में महान जागषति उत्पन्न हुई। आइए, हम विचार करें कि प्रभु यीशु मसीह के गौरवशाली सुसमाचार का प्रचार करने में हम कितने गंभीर और प्रतिबद्ध है। क्या हम अपने कर्तव्यों के बीच यीशु मसीह के कार्यों को भी महत्व दे रहे हैं? क्या हम यह कहकर संतुष्ठ है कि हमने बहुत कुछ कर लिया है? क्या हम नम्र होकर यह कह रहे हैं कि हम घटे और केवल मसीह का नाम बढ़े! आइए, हम स्वंय को जाँचें और इसके लिए कड़ी मेहनत/परिश्रम करें।

वर्त्तमान सेवकाई विवरण:

प्रियों, प्रभु के अनुग्रह और आपकी प्रार्थनाओं आपके दानों और सेवा में आपकी भागीदारी के माध्यम से सेवकाई बढ़ रही है। सेवा में आपकी भागीदारी के लिए हम हृदय से आपको धन्यवाद देते हैं।

विश्ववाणी बोर्ड की बैठक:

परमेश्वर ने मुझे 8 दिसंबर 2023 को चैन्नई में आयोजित बोर्ड को 6 महीने की सेवकाई रिर्पोट प्रस्तुत करने में सक्षम बनाया। उसने हमें भविष्य की सेवकाई के लिए योजना बनाने और आगे बढ़ने में हमारा नेतृत्व किया। मैं बोर्ड के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ।

सौरा क्षेत्र की सेवकाई में उन्नति:

मैं परमेश्वर की स्तुति करता हूँ कि उसने मुझे 12 दिसंबर को आंन्ध्र प्रदेश के मान्यम जिले के पोला कार्य क्षेत्र में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने और उसके बाद सौरा सेवकाई समन्वय केन्द्र खोलने और क्रिसमस समारोह में भाग लेने में सक्षम बनाया। परमेश्वर ने मुझे "भुसयावलसा" में आराधना भवन को समर्पित करने का भी अवसर प्रदान किया, जिसका विस्तार किया गया था और उस शाम विशेष सभा में परमेश्वर का वचन को सुनाने का अवसर मिला। कृप्या 16 से 18 फरवरी को भूमिकागुडा कार्य क्षेत्र में आयोजित होने वाले सौरा सम्मेलन के लिए प्रार्थना करें।

उत्तर भारतीय क्षेत्रों के लिए 27 नये सेवक:

27 सेवकों ने 15 दिसंबर को नवाटोली प्रशिक्षण केन्द्र में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। उनमें से 16 सेवक छत्तीसगढ़, 9 झारखण्ड और 2 उत्तर

प्रदेश के गाँवों को आशीषित करने जा रहे हैं। इन 27 सेवकों को हमारी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है। हमें ऐसे परिवारों की भी आवश्यकता है जो इस सेवा में प्रतिमाह 4000/– रूपये का योगदान देने के द्वारा गाँवों को गोद लेने और दरार में खड़े होने के लिए आगे आ सकें।

त्रिपुरा – कोकबोरोक बाइबल विमोचन/उद्घाटनः

कोकबोरोक बाइबल का विमोचन 19 दिसंबर को एमिल अन्नन की 10वीं पुण्य तिथि पर विश्ववाणी कामी कार्य क्षेत्र में किया गया। आपमे से कई लोगों ने इस उद्देश्य के लिए दान दिया और हम उन सभी को हृदय से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इसमें अपना सहयोग दिया। हम प्रथम छपाई के रूप में 10,000 बाइबल छाप रहे हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप भी इस कार्य का हिस्सा बनें।

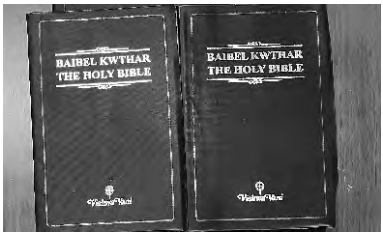

सेवकाई और मीडिया कार्यालयः

विश्ववाणी नेटवर्क के अध्यक्ष पी.सेल्वाराज अन्नन ने 30.12.2023 को कुशाईगुडा, हैदराबाद में "सेवकाई और मीडिया कार्यालय" को समर्पित किया। यह कार्यालय हमें सेवा के नए अवसरों को प्राप्त करने और सेवा के सहयोगियों तक सूचना पहुँचाने की प्रक्रिया को तेज करने और सामुदायिक विकास गतिविधियों को मजबूत करने में सक्षम बनाएगा। वर्ष के अंत में समर्पण सेवा के माध्यम से परमेश्वर के नाम को महिमान्वित किया गया। हाल्लेलूय्याह।

स्तुति और प्रार्थना दिवसः

विश्ववाणी सेवा के सेवकों, प्रतिनिधियों और सेवा सहयोगियों ने 31 दिसंबर को स्तुति और प्रार्थना दिवस के रूप में मनाया। यह दिन वर्ष के अंत में परमेश्वर के चरणों में बैठने और आन्नद और नई आशाओं के साथ नए साल में प्रवेश करने की तैयारी का दिन रहा।

नये सेवकों के लिए प्रशिक्षणः

आन्ध्र प्रदेश के सुसमाचार वंचित गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए 25 नये एज्राओं के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू हुईं। कृप्या उत्तर पश्चिम भारत, गुजरात और कर्नाटक में शुरू होने वाली प्रशिक्षण कक्षाओं के लिए प्रार्थना करें।

त्रिची – धन्यवाद सभाः

मैं 7.1.2024 को परमेश्वर के वचन को प्रचार करने का अवसर देने के लिए त्रिची के अल्लीथुराई में सी.एस. आई आराधना भवन केन्द्र के पाद्री और कलीसिया कमेटि के सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ। उसी दिन

आयोजित प्रतिनिधियों और सेवा सहयोगियों की बैठक भी मेरे लिए एक आशीष थी। हम जिला सेवा विकास दल के सदस्यों और सहकर्मियों को धन्यवाद देते हैं। हम त्रिची में विश्वासियों के माध्यम से राजस्थान के 2000 गाँवों तक पहुँचने की आशा कर रहे हैं। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें

जहाँ विश्वासी एकत्र हुए वहाँ महान परिणामः

प्रार्थना करें कि परमेश्वर का नाम उन स्थानों पर ऊँचा उठाया जाए जहाँ विश्वासी एक साथ इकट्ठा होते हैं और सुसमाचार की घोषणा और भारतीय गाँवों की समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं।

14–16 जनवरी 2024 : तमिल विश्वासियों का राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद

19–23 जनवरी 2024 : मणिपुर राहत शिविर/कैम्प

23 जनवरी 2024 : तिरूनेलवेल्ली जिला पासवानों की सभा

26 जनवरी 2024 : चैन्नई और मुम्बई में दर्शन सभा

28–31 जनवरी : उत्तर भारत सेवकों का विशेष प्रशिक्षण शिविर, भोपाल

16–18 फरवरी : सौरा विश्वासीयों का मेला, भूमिकागुडा, आन्ध्र प्रदेश

4 फरवरी से 3 मार्च 2024 : विश्ववाणी कार्य क्षेत्रों के आराधना भवनों में सेवकाई महोत्सव

देखभाल और जरूरतमंदों के लिए सोसाइटीः

कृप्या विश्ववाणी नेटवर्क के तहत काम करने वाले सभी सेवकों के लिए प्रार्थना करें। विशेष रूप से, उन बहनों/महिलाओं सेवकों को जिन्हें मासिक सहायता प्रदान की जाती है जिनके पति या पत्नी का कार्य क्षेत्र में निधन हो गया है और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए मासिक सहायता प्रदान की जाती है। यदि आप इस आवश्यकता को पूरी करने में सहयोग करना चाहते हैं, तो कृप्या हमसे संपर्क करें। आप "सोसाइटी फॉर केयर एंड नीडि" के माध्यम से सेवकों और उनके परिवारों की मदद कर सकते हैं।

उन लोगों के लिए सुसमाचार जो इसका विरोध करते हैंः

आप जानते हैं कि सेवकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें जेलों में भी डाल दिया है। कृप्या प्रार्थना करें कि वे सभी जो सुसमाचार का विरोध करते हैं,

पश्चाताप् करें और शत्रुता के बदले महान जागृति को लाएँ।

"यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करें, यहोवा तुझ पर अपने मुख का प्रकाश चमकाएं और तुझ पर अनुग्रह करें, यहोवा अपने मुख तेरी ओर करें और तुझे शांति दे।" (गिनती 6:24–26)

12.01.2024 मसीह में आपका

चैन्नई *रेव्ह.डॉ. डब्ल्यू. विल्सन ग्नानाकुमार*

जीवनदायक सुसमाचार को ले लें

प्रभु में प्रियों,

आप को प्रेमी नमस्कार! हमने 2024 के दूसरे माह में प्रवेश किया वास्तव में यह परमेश्वर की महान दया व अनुग्रह है, आगे आशा है कि आप सकुशल हैं, व नव वर्ष में प्रभु के नये नये वायदों के साथ आगे बढ़ रहे हैं " शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूर्ण रीति से पवित्र करे " (1थिस्स. 5:23)। जीहाँ परमेश्वर की इच्छा है कि वह हमें अपने प्रिय पुत्र यीशु मसीह के जैसा बनायें, इस वर्ष हम संकल्प करें हम मसीह की पहचान में बनते जायें (इफिसियों 4:13,15)।

इस माह का यह अंक ***"यीशु मसीह का सुसमाचार"*** इस विषय के साथ प्रकाशित होकर पाठकों तक पहुँच रहा है, जीहाँ नये नियम की पहली चार पुस्तकें सुसमाचार की पुस्तकें कहलाती हैं, जहाँ हमें प्रभु यीशु का प्रकाशन विस्तार रूप से प्राप्त होता है। यह सुसमाचार जो कि "... आदि से गुप्त था, ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का विभिन्न प्रकार का, ज्ञान उन प्रधानों और अधिकारियों पर जो स्वर्गीय स्थानों में है प्रकट किया जायें, (इफिसियों 3:9–10) जीहाँ यद्यपि भविष्यद्वक्ताओं ने थोड़ा थोड़ा करके इस सुसमाचार की जो आदि से गुप्त था, व्याख्या की, यशायाह भविष्यद्वक्ता ने तो काफी विस्तार से प्रभु यीशु के जन्म की व्याख्या की जैसे कि " हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया और प्रभुता उसके काँधें पर होगी, उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर अनन्तकाल का पिता शान्ति का राजकुमार रखा जायेगा" (यशायाह 9:6)। यहाँ पर यशायाह प्रभु यीशु के जन्म की, उनके प्रभुत्व की अद्भुत युक्तियों की अनन्तकाल में वास करने की और उनमें शान्ति की व्याख्यापूर्वक भविष्यवाणी करता है, प्रियों यही गुप्त समाचार सर्वप्रथम मैं तुम्हें एक रात्रि में चरवाहों के पास स्वर्गदूत द्वारा पहुँचा, वह यह है

कि मैं तुम्हें एक बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ कि तुम्हारे लिये आज उद्धारकर्ता जन्मा है। न बल्कि यशायाह ने यीशु के जन्म की भविष्यद्वाणी की, बल्कि उसने प्रभु यीशु के बलिदान होने की भी भविष्यद्वाणी की यशायाह 53 वें अध्याय में यह भविष्यद्वाणी स्पष्ट है कि हमारे अपराधों के लिये प्रभु को घायल किया गया, हमारे अधर्म के लिये कुचला गया, हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर लादा गया। हाँ प्रियों क्या, कभी आपने सोचा कि मनुष्य के उद्धार व छुटकारे की कीमत कितनी बहुमूल्य है, जो सन्देश आदि से गुप्त था वह हमारे लिये प्रगट हुआ।

अभी यह अनुग्रह का तथा आत्मा का समय है, बाइबल कहती है "वचन देहधारी हुआ और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसे पिता के एकलौते की महिमा (यूहन्ना 1:14)। आज इसी सुमाचार को हमें सुनाना है, प्रभु ने यह अन्तिम आदेश दिया है, परिस्थितियाँ चाहे कैसे भी विपरीत क्यों न हों, हमें उसका सन्देश सुनाते जाना है, प्रभु यीशु के प्रगट होने से पहले तक परमेश्वर का राज्य मात्र एक छोटे से देश तक सीमित रहा, किन्तु प्रभु के आने के बाद से उनका राज्य सम्पूर्ण जगत में आ गया, प्रभु यीशु के जन्म से पूर्व परमेश्वर के राज्य का एक भोगोलिक देश इस्राएल में सीमित रहा, किन्तु सुसमाचार के द्वारा अब प्रभु का राज्य समस्त जगत में है, यह जीवनदायक है, क्योंकि प्रभु यीशु ने कहा जो शरीर के जन्मा वह शरीर है तथा जो आत्मा से जन्मा वह आत्मा है, नये जन्म पाने के बाद अर्थात् उद्धार पाकर ही इसमें भरपूरी व तृप्ति प्राप्त कर सकते हैं। पवित्रशास्त्र कहता है "क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना पीना नहीं परन्तु धर्म और मेल मिलाप और वह आनन्द है जो पवित्र आत्मा से होता है (रोमियों 14:17)। जब यीशु मसीह की सामर्थ कार्य करती है, व जब हम प्रभु को ग्रहण करते है तब मेलमिलाप स्वतः ही कार्य करने लगता है, जीवन में आत्मिक आनन्द बढ़ता रहता है।

हाँ प्रियों हमारे प्रभु यीशु मसीह ने मनुष्य के उद्धार के लिये पूरा पूरा काम किया है "वह शरीर में प्रगट हुआ आत्मा में धर्मी ठहरा स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया और महिमा में ऊपर उठाया गया (1तिमो. 3:16)।

जीहाँ, स्वर्गीय महिमा छोड़कर प्रभु यीशु हमारे खातिर जगत में आये मानव रूप धारण किया, अपने आप को शून्य कर दिया, वह धनी होकर भी हमारे खातिर कंगाल बन गये तथा आप ही हमारे पापों के लेकर कलवरी क्रूस पर चढ़ गये तथा प्रभु ने क्रूस पर हमारी मृत्यु लेकर हमें छुड़ौती का दान दिया, आज जब हम संसार से प्रभु की ओर मन फिराकर व मन से विश्वास व होंठो के पश्चाताप के द्वारा आते हैं तो वह उद्धार करने में विश्वासयोग्य व धर्मी है, यही यीशु मसीह का सुसमाचार है उन्होंने कलवरी के ऊपर संसार, मृत्यु व शैतान के ऊपर विजय हासिल की है, आत्मा के द्वारा प्रभु तीसरे दिन जी उठे तो अब वहीं आत्मा जो उसके चुने हुओं में वास करता है, उनकी नश्वर देह को भी जिलायेगा, सदा हम उसके उपस्थिति में रहकर पुनरूत्थान की सामर्थ को लेते रहें, फिर जहाँ यीशु के सुसमाचार का प्रचार हुआ वहाँ लोगों ने विश्वास किया। प्रियों पिन्तेकुस्त के दिन यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई थी।

आज भी दुनियाँ के कोने कोने में मसीह का सुसमाचार कार्य जारी है तथा यह भी प्रभु के द्वितीय आगमन की एक निशानी है, सुसमाचार का एक भाग बाकी है कि वह शीघ्र ही अपने लोगों को लेने आने वाला है, अब हमें उसके आगमन के लिये तैयार रहना है, उन्हें मिलने की लालसा में बढ़ते जाना है। साथ ही अभी भी बहुत सी भेंड़ें बाकी है, जिन्हें इस भेड़शाला में लाना है।

हमारे प्रभु यीशु का अनुग्रह आप पर बहुतायात से बना रहे तथा हमसब सुसमाचार के व्यक्ति बने रहें, आमीन्।

नई दिल्ली — प्रभु में आपका भाई

20.01.2024 — आनन्द सिंह

वह व्यक्ति जिसे वे यीशु कहते हैं

चतुर और गवाह

(यूहन्ना 9:1-4)

- क्या आप वह व्यक्ति हैं जो जन्म से अंधा था?
- हाँ, यह सच है!
- क्या आप भिखारी हैं?
- हाँ, यह सच है!
- आप हमें इतनी तेजस्वी रूप में कैसे देख पाए?
- उस व्यक्ति के माध्यम से जिसे वे यीशु कहते हैं!
- उसने क्या किया?
- उसने मुझे कीचड़ भरी मिट्टी से उठाया और चट्टान पर रखा!
- आपने क्या उत्तर दिया?
- उस व्यक्ति ने जिसे यीशु कहते हैं
  मुझे देखने योग्य बनाया
  मुझे जो गली में धूल भरी सड़कों पर भीख मांग रहा था!
- क्या उसने सब्त का दिन नहीं तोड़ा?
- नहीं,
  वह व्यक्ति जो यीशु कहलाता है,
  सब्त के दिन से भी बड़ा है!
- क्या आप माता–पिता हमारा आदर करेंगे?
- जैसा मैं भी सम्मान करता हूँ
- आप किसका सम्मान करते हैं?
- उस व्यक्ति का जो यीशु कहलाता है।
- क्या आप भयभीत नहीं होते?
- हाँ, मैं होता हूँ।
- आप किससे डरते हैं?
- उस आदमी से जो यीशु कहलाता है
- हम आपको मंदिर से निकाल देंगें!
- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता!
- क्यों?
- क्योंकि मेरे पास वह है जो मन्दिर से भी बड़ा है!
- वह कौन है?
- वह व्यक्ति जिसे यीशु कहते हैं!
- वह क्या करेगा?
- वह जो यीशु कहलाता है
- जिसे तुमने निकाल दिया
- उसे वह लेकर चलेगा!
- आपके माता–पिता कहते हैं,
  उससे पूछो,
  वह कहेगा?
- वृद्ध व्यक्ति जिसकी आँखें खुल गई थीं
  वह गवाही देता है:
  वह व्यक्ति जो यीशु कहलाता है!
- परमेश्वर की महिमा करें!
- निश्चित रूप से मैं
  यीशु नामक व्यक्ति की महिमा करूंगा!
- वह पापी है!
- मेरे लिए वह यीशु कहलाने वाला व्यक्ति है!
- हम मूसा के शिष्य हैं!
- लेकिन मैं
  उस आदमी के शिष्य हूँ जो यीशु कहलाता है!
- क्या तुम मन्दिर के अधिकारियों की आज्ञा के आगे नहीं झुकोगे?
- नहीं
- क्यों?
- ऐसा ही करने से अंधेरे में रेंगता रहूँगा!
- तुम जन्म के समय से ही पाप में डूबे हुए थे
  तुम हमें कैसे उपदेश दे सकते हो?
- मैं उपदेश दे रहा हूँ,
  कि आप भी यीशु कहलाने वाले व्यक्ति के शिष्य बनें!
- तुमने क्या कहा?
- बार–बार पूछकर मेरा समय बर्बाद मत करो
  उस व्यक्ति के शिष्य बनें
  जो व्यक्ति यीशु कहलाता है!
- क्या हम भी तुम्हारी तरह अंधे हैं?
- जब तक आप उस यीशु नामक व्यक्ति तक नहीं पहुँच जाते
  आप अंधे हैं!

(अधिकारियों में क्रोध, स्वर्ग में आनन्द)

भूमि में गिरते हुए 3 गेहूँ के दानें...

हम बहन हीराबेन 51 वर्ष के जीवन के लिए प्रभु की स्तुति करते हैं, जिन्हें सेवकाई के लिए बुलाहट थी और उन्होंने विरोधों के बीच पिछले 12 वर्षों से परमेश्वर की महिमा के लिए काम किया। यह 2012 की बात है, उन्होंने अपने पति अनिल सोना वाल्वी के साथ गंथा और बामंगम क्षेत्रों में काम किया, जिनकी वचन की बहुत जरूरत थी और उन्होंने अपनी सेवकाई को पूरा कर लिया है। अप्रैल 2022 में हीरा बेन लकवे के रोग से ग्रसित थीं। इसलिए उनके शरीर का दाहिने हिस्से ने काम करना बंद कर दिया और उनकी सेवकाई भी दिन प्रतिदिन कम होती चली गयी। वह 10.12.2023 को बामंगम कार्य क्षेत्र गाँव के आराधना भवन में परमेश्वर की स्तुति कर रही थी। वहाँ वह अचानक बेहोश हो गई और जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तब तक वह प्रभु के पास जा चुकी थीं। कृप्या सेवक अनिल सोना वाल्वी और उनके दो बच्चों के लिए प्रार्थना करें।

भाई जल्ली जयराजू 58 वर्ष का प्रभु ने पिछले 29 वर्षों से विशाखापत्तनम, आन्ध्र प्रदेश और हैदराबाद और तेलंगाना में सेवकाई के विकास में उपयोग किया। उनकी पत्नी मैरी मनि का 2015 में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। फिर भी उन्होंने अपना उत्साह नहीं खोया बल्कि परमेश्वर के लिए सेवा करना जारी रखा। उन्हें परमेश्वर की सेवा करने में असमर्थ थे और 14.12.2023 को अनंत विश्राम में प्रवेश कर गए। कृप्या उनके बेटे और दो बेटियों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करें।

प्रभु ने सेवक मंगल सिंह देबबर्मा का त्रिपुरा में देबबर्मा जनसमूह के बीच सशक्त रूप से उपयोग किया । वह 46 वर्ष के थे और उन्होंने अपनी प्रतिभा का उपयोग परमेश्वर की महिमा के लिए किया। वह प्यार करने वाला, विनम्र व्यक्ति थे और हर गाँव में यीशु के प्यार को बाँटने की इच्छा रखते थे। वह सुसमाचार के बीज बोने के लिए और अपने सहकर्मियों का सम्मान करने के लिए एक आदर्श थे। वह अपनी बुलाहट में दृढ़ थे और उनमें प्रभु के लिए काम करने की बहुत तीव्र इच्छा थी। जहाँ भी वह पहुँचे, वे सभी गाँव प्रभु में आन्नदित हुए! वह 18 दिसंबर की सुबह परमेश्वर के पास चले गये जब वह अपने बिस्तर पर आराम कर रहे थे। कष्या उनकी पत्नी मरियम देबबर्मा और बेटे अइखा देबबर्मा 12 वर्ष और त्रिपुरा के क्षेत्र में विश्वासियों और उनके परिवारों में शान्ति व सांत्वना के लिए प्रार्थना करें।

किसके लिए और किसके द्वारा

क्या सुसमाचार यीशु मसीह का है?

प्रिय मित्रों,
इस संसार में लोग परमेश्वर, ईश्वर कहकर पुकारते हैं
वह यीशु मसीह है!
पुराने नियम की अवधि के दौरान उसे कई नाम दिए गए थे जैसे
परमेश्वर, प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान परमेश्वर और यहोवा।
इन सभी नामों से मिलकर यीशु मसीह का नाम बनता है!
यीशु मसीह का नाम सुसमाचार है!

किसके लिए?

जो मर गया था वह जीवित हो गया
जो खोया था वो मिल गया,
जो पिता से दूर शैतान के पास चला गय, वह शैतान के स्वभाव में परिवर्तित हो गया
किन्तु पुनः सुधार हुआ और फिर से नया जन्म हुआ– बड़ा पुत्र इस बात से खुश नहीं था
उसने शिकायत की कि मैं उसके जैसा नहीं हूँ,
उसके पुनः आगमन पर मुझे कोई खुशी नहीं है
उन्होनें उसके लिए एक स्वागत समारोह की व्यवस्था की है,
इससे दर्दनाक कुछ भी नहीं है
यह कहकर बड़ा पुत्र चला गया।
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार
उसके लिए और ऐसी मानसिकता रखने वालों के लिए नहीं हैं!
मैं सबसे छोटा हूँ,

- मेरे बड़े भाई को अपना बेटा समझें,

मुझे अपना सेवक बना लें,
कृप्या मेरे पापों को क्षमा करें, मुझे स्वीकार करें,
मैंने अपने पिता और स्वर्गीय पिता के विरूद्ध पाप किया है
कहते हुए वह फूट–फूट कर रोने लगा और पिता के पैरों पर गिर पड़ा
और आँसुओं से उसके पैर गीले कर दिए।
यह लड़का और उसके जैसे टूटे हृदय वाले लोग,
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार उनके लिए है!
(लूका 15)

- क्या वे सभी लोग जो विवाह में आ रहे हैं

क्या उन्होंने विवाह का परिधान पहन रखा है
दरवाजे पर दरबान इसको जाँचता है – लेकिन उसने उसकी आँखों पर कीचड़ फेंक दिया
उसने अपने आप को स्वर्गीय धार्मिकता की पोशाक पहनायी,
दूसरे अतिथियों के साथ अतिथि बनने का स्वांग रचा कर उनके साथ खड़ा हो गया, वे दूसरे विश्वासियों के साथ विश्वासी बन खड़ा हो गया।
वह पूर्णकालिक कार्यकर्ता के मुखौटे के साथ
वह उन लोगों के साथ खड़ा हो गया जो हारून के समान बुलाए गए हैं,
हालांकि वह स्वयं उन सड़कों पर बारातियों से भरी हुई है, को छिपाते हुए एक कोने पर खड़ा है
किन्तु वह अपने आप को राजा की नजरों से छुपाने में असमर्थ था।
वह राजा के सामने अवाक और लज्जित खड़ा था जब उसने पूछा "तुम यहाँ कैसे आये"
उसे तुरंत बाहर निकाल दिया गया–
वह और उसके समान अन्य दुष्ट लोग
स्वयं के लिए आध्यात्मिक परीक्षा आयोजित करते हैं
इसको महत्व देते हैं और कहते हैं कि उनके मुकाबले कोई नहीं है।
गलत हिसाब–किताब करने वाले ये "धर्मी" लोग
इनके पास यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं है!
(मत्ती 22)

· मैं परमेश्वर की उपस्थिति के निकट खड़े होने के योग्य नहीं हूँ,
मैं धर्मी नहीं परन्तु महापापी हूँ,
मैं अच्छा नहीं लेकिन बहुत बुरा हूँ,
अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए वह दूर खड़ा हो गया,
और कहा, हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर।
टूटे हुए हृदय के साथ और अपनी छाती पीटते हुए
उसने उस अधिकार को पुकारा जो पापों को क्षमा कर सकता था।
उन सभी के लिए जो इस चुंगी लेने वाले के समान हैं
यीशु मसीह का सुसमाचार उनके लिए है!
(लूका 18)

· वह अपने पति को छोड़कर दूसरे व्यक्ति के घर आ गई,
एक ने कहा कि यह कानूनी नही हैं और तुम्हारे रास्ते गलत हैं,
और हेरोदियास के हृदय की कठोरता से यह कहने वाले का सिर धड़ से अलग कर दिया गया
वो सभी जो उसके जैसे हैं
उनके पास यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं है!
(मरकुस 6)

· आपने मेरे विषय में जो कुछ भी कहा वह सही है,

मैंने छःह आदमियों को अपने जीवन को समर्पित कर दिया,
मैंने खुद को नष्ट कर लिया,
यद्यपि वह हृदय के राज और अतीत की
सच्चाई को जानने में सक्षम था,
वह मुझ पर प्रगट हुआ,
वह एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो पापों को स्वीकार करने पर उन्हें क्षमा कर देगा
वह मेरी आत्मा का मसीहा और मित्र है
यह कहते हुए, उस सामरी स्त्री ने
अपनी गवाही को सामरिया में फैला दिया।
वह सामरी स्त्री
और वे सभी जो इस संसार में उसी की तरह रास्ते से भटक कर जीवन व्यतीत करते हैं,
और उसके लिए जो पश्चाताप् करते हैं
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार है!
(यूहन्ना 4)

· हम उसे तेरे साम्हने रखते हैं कि जिसने पाप किया है
हम उसे पत्थरवाह करेंगे,
हम वे लोग हैं, जो यहूदी कानून की रक्षा करते हैं,
हम सोने की तरह अच्छे हैं, लेकिन वह पापिन हमारे मानक से नीचे हैं:
वे स्वंय की धार्मिकता के विषय तुरही फूंकते, वे क्रोध में खड़े थे
एक–एक करके जमीन पर उनका नाम लिखा गया ओर परखा गया कि यह सोना है या पीतल जैसा कि उनसे कहा गया थाः अपना स्तर पढ़ो और उस स्त्री पर पत्थर मारो
उन्होंने एक सेकंड में स्वंय को छुपा लिया
उनकी आँखों में उनके कलंक/धब्बे दिखने लगे और भर गये
उन्होंने आवर्धक चश्मे से उसकी आँखों में देखा।
वे कब्रें जो बाहर से रंगी हुई होती हैं
उनके पास यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं हो सकता!
महाश्य् यह सच है कि मैं इसी पाप में पकड़ी गयी थी,
मुझे उन लोगों से बचा लें जो मुझे पत्थरवाह करना चाहते हैं।
वे सभी जो उसमें शरण लेते हैं, उस एक प्रभु में
जो उनकी बुराई से दूर रहता है और पापी से प्रेम करता है
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार है!
(यूहन्ना 8)

· तू जो हत्यारों और दुष्टों के बीच क्रूस पर लटकाया गया हैः
क्या तू आप मसीह है? या मसीहा है? या एक अभिषिक्त व्यक्ति? या उद्धारकर्ता है?

मुझे लगता है कि यह झूठ है – हमें उत्तर दें,
यदि यह सत्य है तो तू अभी स्वंय को और हमें भी बचा,
ऐसा कहते हुए, अपनी मष्त्यु से ठीक पाँच मिनट पहले भी,
उसे कभी एहसास ही नहीं हुआ कि वह पापी है,
उसने यह स्वीकार नहीं किया कि उसे एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता है,
वह नहीं जानता था कि उद्धारकर्ता वही है जो उसके निकट है,
उसने अपनी मूर्खता से पश्चाताप् के दुर्लभ अवसर को खो दिया,
वह उस चोर की तरह जो अन्नत विनाश की ओर तेजी से भागा।
वे जीवन में सब कुछ करते हैं,
फिर जब उन्हें इसकी सजा मिलती है
वे क्रोधित होते हैं और वे परमेश्वर से लड़ते हैं,
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं हो सकता!
हम मर रहे हैं क्योंकि हमने पाप किया है,
लेकिन तू पापी नहीं है,
क्या तू वही नहीं हैं जिसने कहा थाः
कौन कह सकता है कि मुझमें पाप है?
मैं भी उस स्थान पर आना चाहता हूँ जहाँ तू जाएगा।
मेरे इस दुनिया से गुजरते समय
क्या तू मेरी इच्छा पूरी करेगा?
कहते हुए उसे अपनी गलती का एहसास हुआ,
क्योंकि वह जानता था कि वही एक है जो पापों को क्षमा कर सकता है,
उसने अनुग्रह पूर्वक मिले उस दुर्लभ अवसर को नहीं गँवाया
कुछ सेंकड पहले जब उसने चोर के रूप में धरती पर आँखें बंद की
और जो स्वर्ग में अपनी आँखें खोलने के लिए आगे आया
उसके समान जो मृत्यु की कगार पर भी प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में यीशु की ओर देखते हैं।
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार है!
परमेश्वर की योजना के अनुसार, एक बहुत ही गरीब परिवार में
एक साधारण मनुष्य के रूप में यीशु ने 30 वर्ष गुजारे,
बड़ी नम्रता से फिलिस्तीन की धूल भरी सड़कों और गलियों पर उसने साढ़े तीन वर्ष गुजारे,
वह भेंड़ बन इधर–उधर फिरता रहा,
और अंत में वह मनुष्यों के हाथों में पड़ा और यातनाएं झेली
उसे बलिदान के रूप में लकड़ी पर लटका दिया गया, और उसने हमारे लिए अपना जीवन दे दिया।
यहूदियों ने यह कहकर उसका उपहास किया,
"क्या वह परमेश्वर है जो स्वंय को नहीं बचा सकता?"
और समाज के वे लोग जिन्हें परमेश्वर उससे मिलने का अवसर देता है, वे उसे गंवा देते हैं

उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं है!
(लूका 23)

- उसे वध होने वाली भेड़ की तरह ले जाया गया

भेड़/मेम्ने के समान अपने ऊन कतरने वाले के सामने चुप रहता है
उसी तरह उस ने भी अपना मूँह न खोला।
यह जानते हुए कि यह वही मसीहा है जिसके बारे में यशायाह बात कर रहा था,
फिलिप्पुस ने उसे पूरे हृदय से स्वीकार किया और कहा,
मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर के पुत्र है,
रथ से उतरो और मुझे बपतिस्मा दो!
हालाँकि वह एक उच्च अधिकारी फिर भी उसका हृदय एक बच्चे का था।
वह इथियोपिया अधिकारी और
वो सभी जो उसके समान हैं
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार है!
(प्रेरितों के काम 8)

- यूनानी बुद्धिमान पुरूष – सेसरो, सेनेचो और प्लेटो–

कहाः मनुष्य को स्वर्ग से नीचे पापियों को बचाने के लिए क्यों नहीं आना चाहिए?
वो यदि आये भी तो,
वह क्यों निम्न स्तर में आकर निचले स्तर के बीच मारेगा?
वह जिसे शुभ समाचार कहता है वह हमारे लिए मूर्खता है
क्योंकि उसके सिद्धांत व्यावहारिक नहीं हैं,
यह कहते हुए, उन बुद्धिजीवियों ने उनके सिद्धातों को त्याग दिया।
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार नहीं हो सकता!
(1कुरि.1)

- यद्यपि वे यूनानी थे,

वे यरूशलेम में पर्व के लिये आये, उन्होंने यीशु की खोज की
उन्होंने फिलिप्पुस से कहाः
महाश्य् हम ग्रीस से हैं, हम त्योहार देखने नहीं आये हैं,
हम यीशु को देखना चाहते हैं, हम उसे देखने के लिए आये हैं।
उन्होंने उससे विनती करते हुए कहा कि कष्या हमारे लिए यीशु को देखने का रास्ता बनायें।
इन कुछ यूनानियों की तरह
वे सभी जो यीशु को देखने की इच्छा रखते हैं
उनके पास प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार है!
(यूहन्ना 12)

किसके द्वारा?

- फिरौन के महल में 40 सालों तक यह सोचकर प्रशिक्षण लिया

कि वह शारीरिक रूप से फुर्तीला था और वह शब्दों और युद्ध में अच्छा था

उसने इस्राएलियों को छुड़ाने के लिये तलवार उठायी
परन्तु वह शारीरिक रूप से निकलें – मूसा नगर से भाग गया
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा नहीं की जा सकी!
(निर्गमन 2)

· मस्तिष्क के ज्ञान से नहीं, बल्कि इसलिए कि मैंने तुझे अग्नि में देखा था,
मेरे शरीर के माध्यम से नहीं बल्कि तेरी शक्ति के माध्यम से,
इसलिए नहीं कि मैंने तलवार ली, बल्कि इसलिए की मैने वह लाठी ली जो तूने मुझे दी थी
मैंने इस्राएलियों को बचाया
मैं उन्हें तेरी आराधना करने के स्थान की ओर अगुवाई कर रहा हूँ
वह प्रतिदिन परमेश्वर से बात करता था
परमेश्वर के इस मित्र को परमेश्वर की उपस्थिति में रहने का अभ्यास करते हैं
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार/घोषणा करें!
(निर्गमन 3)

· हालाँकि उन्होंने तहखाने की आवाज सुनी, फिर भी वे अस्तबल में ही रूके रहे
उन्होंने अपने जीवन की रक्षा के लिए गढ़वाले स्थानों के नीचे आश्रय पाया,
जो लोग प्रभु के पक्ष में नहीं हैं उनके नाम को पढ़ा गया,
और उन्हें दबोरा द्वारा शापित घोषित किया गया
उनके माध्यम से जो उस सूची में खड़े हैं, कल भी और आज भी
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा नहीं की जा सकी!
(न्यायियों 5:16,17,23)

· यदि मैं अकेले खड़ा नहीं होऊँगा और कार्य नहीं करूंगा
तब गाँव और अधिक नष्ट हो जायेंगे
बाराक के साथ–साथ दबोरा भी गुस्से में आ गईं
वे सभी जो पूरे हृदय से उनके साथ एकजुट हुए हैं,
दुश्मन की बिगुल थामने के लिए
और उसके माथे पर कील ठोंकना
उनके जीवन का विचार नहीं किया
उन्हें स्वर्ग से आदेश मिला और वे युद्ध के लिए निकल पड़े
उन्होंने शत्रुओं का पीछा किया
उन्होंने उनके रथ जला दिया
उन लोगों के माध्यम से जिनके पास एक सैनिक की तरह विश्वास और परमेश्वर में साहस है
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार का
बहुत से गाँवों और कस्बों में घोषणा कराई जाती है!
(न्यायियों 4,5)

· परमेश्वर की आवाज सुनकर : पुत्र, आज, जा और मेरी दाख की बारी में काम कर

एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो स्वामी और आस–पास के लोगों को बहुत आदर और सम्मान दिखाता है।
सेवा के प्रति अत्यधिक रूचि रखने वाले व्यक्ति के रूप में
जब स्वामी और आस पास के लोग वहाँ से थोड़ा हटते हैं तब
वह उपहास / मजाक करता है,
कहता हैः मुझे उसके बगीचे में काम करने की रूचि और आवश्यकता नहीं है
लेकिन मुझमें यह बात सीधे तौर पर उनसे कहने की हिम्मत नहीं है
अब मुझ पर उसकी नजर ना पड़े।
बुलाने वाले को पीठ और शैतान को चेहरा दिखाना,
हालाँकि, वह स्वीकार कर रहा है और शपथ ले रहा है लेकिन काम से प्रदर्शित नहीं कर रहा है
छोटे भाई और उसके जैसे लोगों के माध्यम से
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा नहीं की जा सकी!

- उसने सीधे मूँह पर जवाब देते हुए कहा कि वह नही जाएगा

जिसने पूछा है उसके वहाँ से चले जाने के बाद
उसने सोचाः मैं उसके कारण ही इस पद पर खड़ा हूँ
मुझे उसका आभारी होना चाहिए
उसने ऐसा बोलने का अपना स्वभाव त्याग दिया
बड़ा भाई प्रेम से विभोर, होकर उसके पास दौड़ा
महाशय् मैं परमेश्वर के काम के लिए जा रहा हूँ।
उसने अपने हाथ, पैर, समय, योग्यता और प्रतिभा को अपने सामने रखा
फिर बड़े भाई ने अथक परिश्रम किया
उसके जैसे वे सभी जिनके हृदय टूटे हुए हैं, उनके द्वारा
प्रभु यीशु के सुसमाचार की घोषणा की जा सकती है!
(मत्ती 21:28–31)

- मैं पौलुस का हूँ, मैं अपुल्लोस का हूँ

मैं पतरस का हूँ, मैं मसीह का हूँ
वे झोले के मारे हुए हैं
उन्होंने क्रूस का झंडा नहीं फहराया
लेकिन अपनी ही दल का झंडा फहरा दिया।
वे आपस में लड़े
अपना समय बर्बाद किया
अपनी ताकत और अवसर को बर्बाद कर दिया
यह बीमारी उन्हें मृतक बना देती है
उनकी तरह जो अपने शरीर से खेलते हैं उनके द्वारा
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा नहीं की जा सकती!
(1कुरि.1)

- पौलुस ने लगाया,अप्पुल्लोस ने सींचा

परमेश्वर ने बढ़ाया
आइए, हम सब मिलकर उसका नाम ऊँचा करें
उन सभी के माध्यम से जो ऐसा कहते हैं और पवित्र आत्मा द्वारा एकजुट होते हैं
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार उनके द्वारा
त्रीवता से घोषित किया जाएगा!
(1कुरि.3)

- हालाँकि,उन्हें सुसमाचार का प्रचार करने के लिए बुलाया गया था
उन्होंने बुलाहट को नहीं समझा,
यद्यपि उन्होंने तुरही ले ली,
साथ ही उन्हें वो सारी सुविधाएं मिल गई जो घोषणा करने के लिए जरूरी होती हैं
किन्तु उन्होंने इसका उपयोग सुसमाचार का प्रचार करने के लिए नहीं किया
उन्होंने इसे कोई महत्व नहीं दिया
उनका हृदय सुन्न हो गया है और उन्होंने इसे पुराने चिथड़ों से बाँध दिया है
उन लोगों के माध्यम से जो आत्मा में मर चुके हैं
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा नहीं की जा सकती !
(यहेजकेल 33)

- शायद हमें समय मिले या नहीं लोग हमारी बात सुनें या नहीं
हम न डरेंगे और शर्माएंगे।
और जब हमें जबड़े की हड्डी मिल गई है
हम सुसमाचार का प्रचार करने के लिए हर संभव क्षेत्र का उपयोग करेंगे
हम सुसमाचार के ऋणी हैं उन सभी के माध्यम से जो ऐसा कहने में त्रीवता करते हैं,
उनके द्वारा यीशु मसीह के सुसमाचार को तुरही की तरह बजाया जाता है
स्वर्ग की तुरही जोर से बज रही है, उसकी आवाज जोर से गरज रही है!(रोमियों 1:14–17)
हाँ, वे सभी जिनकी इच्छा है,
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार उन्हें छूता है और आशीष देता है,
उन सभी के माध्यम से जो सुसमाचार कार्य में शामिल हैं
प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार दूसरों को छूएं और उन्हें आशीषित करें!
ये दोनों आशीषें मेरे पास हैं।
यदि आप भी पढ़ेंगे तो यही कहेंगे
सचमुच आप धन्य हैं! आमीन! ■

समर्पण पत्रिका की सदस्यता भेजने हेतु बैंक विवरण

A/C Name: VISHWA VANI SAMARPAN
Bank: STATE BANK OF INDIA
A/C No.: 1040 845 3024
IFSC Code: SBIN0003870
Branch: ANNANAGAR WEST, CHENNAI

Please update us with the transaction detail so that we can acknowledge with the receipt.
✆ 044-26869200

नेटवर्क चेयरमैन की और से...

मसीह में अति प्रिय भाईयों एवं बहनों,

प्रभु यीशु मसीह के नाम में आप पर उसकी अनुग्रह और शांति बनी रहे!

परमेश्वर ने मुझे समर्पण पत्रिका के वर्ष 2024 के दूसरे अंक के माध्यम से आपके संपर्क में आने में सक्षम बनाया। जब भी मैं सेवकाई के अनुभव को कलमबद्ध करता हूँ तो मैं प्रभु की प्रंशसा से भर जाता हूँ जो मेरे हृदय में कौंध जाता है। हाँ, "मुझे प्राचीनकाल के दिन स्मरण आते हैं, मैं तेरे सब अद्भूत कामों पर ध्यान करता हूँ, और तेरे काम को सोचता हूँ"। (भजन सं.143:5)

मुझे 1993 में आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के वीरघट्टम में आयोजित युवाओं की सभा मे परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। मैं पिछली रात आराधना भवन के सामने खड़ा था। एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने पूछा, "आप कौन हैं? आप यहाँ क्यों आये हैं?" मैंने उसे उत्तर दिया कि मैं यहाँ आयोजित युवाओं की सभा में परमेश्वर का वचन प्रचार करने आया हूँ। और जब मैंने उस व्यक्ति के बारे में पूछा, तो उसने मुझे अंग्रेजी में उत्तर दिया, महाशय, मैंने इस शहर में कैथोलिक पासवान बनने के लिए 7 साल तक सेमिनरी में अध्ययन किया। फिर आगे कहा कि अध्ययन मैंने बीच में ही बंद कर दिया। बाद में उन्होंने मुझे खूबसूरत पूर्वी घाट दिखाए और कहा कि इन पहाड़ों पर कई गाँव हैं जहाँ परमेश्वर का कोई सेवक नहीं है। पासवान ऐसे शहरों की तलाश में हैं जो सभी सुविधाओं से युक्त हों। इतना कहकर वह वहाँ से चला गया।

अगले दिन, आराधना भवन तेलुगु बोलने वाले युवाओं से भर गया! मैंने देखा कि सौरा के कुछ युवा आराधना भवन के बाहर खड़े थे और उत्सुकता से परमेश्वर का वचन सुन रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि क्या वे यीशु को जानते हैं? उन्होंने उत्तर दिया हाँ! जब मैंने उनसे पूछा कि

कैसे, तो उन्होंने कहा कि वे और उनके साथ अन्य ग्रामीण इकट्ठा होते हैं और हर रात प्रसारित होने वाले विश्ववाणी तेलुगु रेडियो कार्यक्रम को सुनते हैं। युवाओं के चेहरे पर खुशी देखकर, मैंने बड़े उत्साह से उनसे कहा, हमारे पास एक सुसमाचार वैन है और हम कल आपके गाँव का दौरा करेंगे। उन्होंने भी खुशी–खुशी हमें यह कहते हुए आमंत्रित किया कि वे हमारा इंतजार करेंगे। हमने एक व्यक्ति से अनुरोध किया कि कल वह हमें अपने गाँव तक ले जाने के लिए सड़क पर खड़ा रहे क्योंकि वह गाँव सुदूर घने जंगल में स्थित था!

अगले दिन हमारी गाड़ी निर्धारित स्थान पर समय पर नहीं पहुँच सकी क्योंकि हमें बहुत उतार–चढ़ाव भरे रास्तों को पार करना पड़ा। उन दिनों हमारे पास संचार सुविधाएँ नहीं थी और इसमें बहुत समय लगता था! लेकिन वह व्यक्ति उस विशेष स्थान पर हमारा इंतजार कर रहा था, जब कि हमें बहुत देर हो चुकी थी। हमने अपनी गाड़ी खड़ी की और गाँव पहुँचने के लिए उसके साथ घने जंगल में पैदल चलने लगे! यह एक छोटा सा गाँव था! सभी बड़े उत्साह के साथ हमारे चारों ओर एकत्र हो गए! हमने एक सभा आयोजित की! यह बिना आराधना भवन और बिना प्रचारक वाला गाँव था! रेडियो कार्यक्रम उन्हें परमेश्वर की ओर ले जाने वाले उनके शिक्षक थे।

विश्ववाणी की ओडिशा सौरा बैपटिस्ट कलीसियाओं के साथ साझेदारी थी, लेकिन उन दिनों आन्ध्र प्रदेश सेवाओं के साथ हमारी ऐसी साझेदारी नहीं थी। हमारे पास उस समय केवल रेडियो और फोलोअप कार्यक्रम ही थे।

शांतिमनुगुडा गाँव, जहाँ हमने 30 साल पहले भ्रमण किया था, वह हमारे वर्तमान सेवकाईयों के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र केन्द्र है!

पूरी तरह परिवर्तित अब यह 100 प्रतिशत विश्वसीयों का गाँव है। तब मेरी मुलाकात दो युवकों कुर्मा राव और आनंद राव से हुई। वे ज्यादा पढ़े लिखे नहीं हैं। लेकिन वे मसीह और सुसमाचार कार्य में गहरी रूचि

रखते हैं। हमने उन दोनों को 1994 में हैदराबाद में अपने प्रशिक्षण केन्द्र में बुलाया और उन्हें प्रशिक्षित किया। अंततः आंन्ध्र प्रदेश में सौरा लोगों के बीच सेवा आरम्भ की गई। आज आनंद राव को कलीसियाई सेवकाई को बढ़ाने और सौरा गाँवों के बीच विश्ववाणी सेवकाई का समन्वय करने के लिए नियुक्त किया गया है। वह सौरा सेवकाई को बढ़ाने के लिए युवा अगुवों को भी तैयार कर रहे हैं।

परमेश्वर के अनुग्रह से 2 प्रमुख जिलों में 164 कार्यक्षेत्र हैं। वह 822 सौरा गाँवों में सेवकाई का नेतृत्व कर रहे हैं। 204 आराधना भवन बनाये गये हैं। और हमारा दर्शन है 2030 से पहले 1250 गाँवों में सुसमाचार प्रचार कार्य आरम्भ किया जा सके।

27वाँ सौरा सम्मेलनः

विगत 26 वर्षों से फरवरी एवं मार्च माह में आयोजित होने वाले सौरा सम्मेलन में शामिल होने वाले विश्वासियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है! हाँ, पवित्र आत्मा के कार्यों से विकास होता ही जा रहा है। प्रारंभ में बहुत छोटा समूह था। अब, तीन दिवसीय सम्मेलन के लिए 15,000 से अधिक विश्वासी एकत्रित हो रहे हैं। इस दौरान वे तम्बूओं में रहते हैं और यीशु मसीह के बारे में और अधिक जानने की रूचि के साथ इकट्ठा होते हैं। 27वाँ सौरा सम्मेलन 16–18 फरवरी 2024 को भूमिकागुडा कार्य क्षेत्र में आयोजित किया जाना है। सेवक और आराधना भवन के प्राचीन पिछले दो महीनों से निंरतर प्रयासरत हैं। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। वर्ष 2016 में घने जंगल में बसे इस भूमिकागुडा गाँव में जंगली हाथी घुस आये थे। इन्होंने सभी घरों को नष्ट कर दिया था। परमेश्वर के लोगों की मदद से, हम ऐसे विश्वासियों के लिए 14 घरों का निर्माण करने में सक्षम हुए हैं और परमेश्वर की महिमा के लिए एक आराधना भवन को भी बनाया गया है। प्रभु की स्तुति हो।

सेवकाई में अपने भाग को भेजने के लिए आगे आएं!

भूमिकागुडा में 27वें सौरा सम्मेलन का बजट 35 लाख रूपये है, जहाँ 15,000 विश्वासियों को इकट्ठा होने की उम्मीद है। यह तीन दिनों के लिए भोजन, साउण्ड और लाइट्स सुविधाएं, चटाई और पवित्र भोज के लिए पूर्व–आवश्यकताओं को पूरा करता है। कृप्या इस सभा के लिए अपना भाग अवश्य भेजें। यदि आप इस सम्मेलन में भाग लेने के इच्छुक हैं तो कृप्या अपने क्षेत्र के डेवलपमेंट कार्यकर्ताओं या प्रतिनिधि से संपर्क करें।

वे एक समय अज्ञानता के अंधकार में थे। लेकिन अब वे सुसमाचार से प्रभावित हो और उनके सामाजिक और वित्तीय स्तर में सुधार हुआ है। वे अब सेवक, डॉक्टर, नर्स और इंजीनियर के रूप में विभिन्न स्थानों पर कार्य कर रहे हैं। आज वे यीशु मसीह के कारण ही जी रहे हैं! प्रभु की स्तुति हो। सौरा गाँवों में सुसमाचार में सहयोग के लिए आगे आएं। आप अपने क्षेत्र के डेवलपमेंट कार्यकर्ताओं को विशेष दान देकर रसीद प्राप्त करें। प्रभु आपको और आपके परिवार को बहुतायत की आशीष दें!

पृथ्वी के सब दूर–दूर देशों के लोग उसको स्मरण करेंगे और उसकी ओर फिरेंगे, और जाति–जाति के सब कुल तेरे सामने दण्डवंत करेंगे। (भजन संहिता 22:27)

13.01.2024 मसीह में आपका

हैदराबाद *पी.सेल्वाराज, चेयरमैन, विश्ववाणी नेटवर्क*

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India A/C Name: VISHWA VANI
A/C No. : 10151750252 IFS Code : SBIN0003273
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
Please update us with the transaction detail so that we can acknowledge with the receipt.
Contact ✆ 9443127741, 9940332294

UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI

यीशु - अभी और सर्वदा के लिए एकमात्र सुसमाचार!

– रेव्ह. डॉ.एस.इम्मानुएल ग्नानाराज – निदेशक, प्रार्थना नेटवर्क

> संम्पूर्ण मानवता के लिए एक अच्छी खबर
> केवल एक ही जिसे स्वर्ग से दिया है

हाँ प्रियों, यीशु ही एकमात्र सुसमाचार है जो स्वर्ग ने हमें दिया है। लूका 2:10,11 कहता है, "मत डरो, क्योंकि देखो, मैं तुम्हें बड़े आन्नद का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के लिए होगा, कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीहा प्रभु है"। यह क्रिसमस के समय स्वर्गदूत द्वारा दिया गया संदेश है। यह स्वर्ग द्वारा दी गई खुशखबरी है। इस समाचार पर विचार करें। मुझे एमिल अन्नन के शब्द स्मरण आ रहे हैं "पापों की क्षमा प्राप्त करना ही खुशखबरी है"। परमेश्वर बलिदान बनकर आया यही है विशेष समाचार! यीशु स्वंय यह महान समाचार हैं! इसे प्राप्त करें, आपके लिए यह सही समाचार है"। अगले दो पद अत्यंत अर्थपूर्ण हैं। "आत्मा पवित्र है, शुभ समाचार कहता है"! परमेश्वर तक पहुँचा जा सकता है यही खुशखबरी जैसे ही आप इसका स्वाद चखेंगे, यह और अधिक कीमती हो जाएगा! इसे अपने जीवन में प्राप्त करें, आपके लिए यह सही समाचार है"! यीशु ही सुसमाचार है। वे सभी जिनके हृदय शुद्ध हैं वे यीशु को देख सकते हैं (मत्ती 5:8)। यह वह सुसमाचार है जो परमेश्वर से संबंधित है। "स्वर्ग से दिया गया यह शुभ समाचार है! उसकी कब्र महिमा है यह विशेष समाचार कहता है"! यह परमेश्वर का अनुग्रह और अन्नंत जीवन है जो यीशु मसीह के द्वारा हमें दिया गया (रोमियों 6:23)। यह यीशु ही था जिसने मृत्यु को एक उत्सव बनाया और यही खुशखबरी है। यह यीशु कौन है?

यीशु कौन है?

यदि यीशु स्वर्ग द्वारा मानव जाति को दिया गया सुसमाचार है, तो हमें यह पता लगाने की आवश्यकता है कि यह यीशु कौन है? शास्त्री और फरीसी भ्रम की स्थिति में थे इसलिए उन्होंने सवाल करना शुरू कर दिया कि यीशु कौन थे। उन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से प्रश्न किया कि क्या यीशु वही है, ताकि वे जाकर उन लोगों को उत्तर दें सकें जिन्होंने उन्हें भेजा है। यूहन्ना ने कहा कि वह मसीहा नही (यूहन्ना 1:22)। हम यूहन्ना 8:25 में

पढ़ते हैं कि लोगों ने यीशु से पूछा कि वह कौन है? "तब यहुदियों ने उसे आ घेरा और पूछा, तू हमारे मन को कब तक दुविधा में रखेगा? यदि तू मसीह है, तो हम से साफ–साफ कह दें"। (यूहन्ना 10:24)। हमें पवित्रशास्त्र से यह देखना चाहिए कि यीशु ने अपने बारे में क्या खुलासा किया है। तब हम अपनी शंकाओं का समाधान कर सकेंगे।

मैं वही हूँ

यीशु ने यूहन्ना 4 अध्याय में कहा है कि "मैं वही हूँ"। इससे हमारे सामने यह प्रश्न उठता है कि वह कौन था? हमें उस पद को देखने की जरूरत है जिसमें यीशु ने खुलासा किया है कि वह मसीहा था जिसकी उन दिनों के यहूदी प्रतीक्षा कर रहे थे। हम यूहन्ना 4 में पढ़तें, जिसमें यीशु की उस सामरी स्त्री के साथ बातचीत हो रही है जो उससे जल मांग रही थी। उस घटना में महिला ने सवाल किया कि हमें परमेश्वर की आराधना कहाँ करनी चाहिए और यीशु ने उत्तर दिया, "परमेश्वर आत्मा है, और अवश्य है कि उसकी आराधना करने वाले आत्मा और सच्चाई से आराधना करें"। स्त्री ने कहा, "मैं जानती हूँ कि मसीह जो ख्रिस्त कहलाता है" आनेवाला है। जब वह आएगा तो हमें सब बातें बता देगा"। तब यीशु ने घोषणा की, "मैं, जो तुझसे बोल रहा हूँ – वही हूँ"। (यूहन्ना 4:26)

यहूदी असमंजस में थे कि यीशु मसीहा है या संसार का उद्धारकर्ता? उनके लिए उसने यूहन्ना 8:24 ओर 28 में उत्तर दिया, "क्योंकि यदि तुम विश्वास नहीं करोगे कि मैं वही हूँ, तो तुम अपने पापों में मरोगे"। उसने कहा कि मैं तुम्हें बचाने के लिए स्वर्ग से नीचे आया हूँ। उसने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि वे उस पर विश्वास करते हैं, तो वे बचाए जाएंगे अन्यथा उन्हें अनन्त विनाश/दण्ड मिलेगा। यूहन्ना 8:28 में यीशु ने कहा, "जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊँचे पर चढ़ाओगे, तब जानोगे कि मैं वही हूँ"। यीशु ने अपने अंतिम भोज में अपने शिष्यों से कहा, "अब मैं उसके होने से पहले तुम्हें जताए देता हूँ कि जब यह हो जाए तो तुम विश्वास करो कि मैं वही हूँ"। (यूहन्ना 13:19)।

मैं जीवन की रोटी हूँ:

यीशु ने स्वंय को प्रकट करने के लिए जो आश्चर्यकर्म किए उनमें से एक था 5000 लोगों को 5 रोटियाँ और 2 मछलियाँ खिलाकर लोगों को अपना

अधिकार दिखाना। जिसके बाद यीशु ने उत्तर दिया, मैं तुम से सच–सच कहता हूँ, तुम मुझे इसलिये नहीं ढूंढ़ते, कि तुम ने आश्चर्यकर्म देखें, परन्तु इसलिये कि तुम रोटियां खाकर तृप्त हुए"। (यूहन्ना 6:26)। जो भोजन वस्तु नहीं है, उसके लिए तुम क्यों रूपया लगाते हो, और जिस चीज से पेट नही भरता, उस के लिए क्यों परिश्रम करते हो? (यशा.55:2)। तब यीशु ने घोषणा की, "जीवन की रोटी मैं हूँ"। जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा न होगा, और जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा न होगा... जीवन की रोटी मैं हूँ। जीवन की रोटी जो स्वर्ग से उतरी मैं हूँ, यदि कोई इस रोटी में से खाए तो सर्वदा जीवित रहेगा, और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूंगा वह मेरा मांस है"। (यूहन्ना 6:35,48,51)। यह रोटी वह रोटी है जो पवित्र प्रभु भोज के दौरान स्मर्षति के रूप में हमारे लिए तोड़ी गई थी। वह जीवित रोटी है।

भेड़ों के लिये द्वार मैं हूँ:

यूहन्ना अध्याय 10 में पढ़ें। यीशु स्वंय को भेड़ों के लिए द्वार के रूप में प्रकट करता है। उसके माध्यम से उसके परिवार में प्रवेश करने या शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। उसकी भेड़ें उसकी आवाज सुनेंगी और उसका अनुसरण करेंगी।

अच्छा चरवाहा मैं हूँ:

यूहन्ना 10:11 में यीशु स्वंय को अच्छे चरवाहे के रूप में प्रकट करता है। वह एक अच्छे चरवाहे के रूप में हमें, जो संसार में खोयें हुए हैं, खोजता है। उसने हमें संसार से छुड़ाने के लिए अपना जीवन भी दे दिया है। इसीलिए उस ने कहा कि एक अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है और उस ने ऐसा ही कियां

पुनरूत्थान और जीवन मैं हूँ:

यीशु मसीह का जीवन हमारे लिए अपना जीवन देने में समाप्त नहीं हुआ। वह मृत्यु पर विजयी हुआ और फिर से जी उठा। हम इस सच्चाई को यीशु द्वारा मार्था के साथ बातचीत में देखते हैं जब उसके भाई लाजर की मृत्यु हो गई थी (यूहन्ना 11:25)। पुनरूत्थान और जीवन मैं ही हूँ। मार्था ने इस पर विश्वास किया और इस तरह लाजर को जीवन मिला। वे सभी जो

विश्वास करते हैं कि यीशु पुनरूत्थान और जीवन हैं, वे मृत्यु से नहीं डरतें। वह पुनरूत्थान और जीवन है!

मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ:

एक ने यीशु से पिता को दिखाने के लिए कहा। उसके लिये उसने उत्तर दिया, "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ"। (यूहन्ना 14:6) यीशु के माध्यम से कोई भी पिता के पास आ सकता है। "किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें"। (प्रेरितों के काम 4:12)

मैं दाखलता हूँ:

वे सभी जो स्वीकार करते हैं और विश्वास करते हैं कि यीशु को मानव जाति को उद्धार दिलाने के लिए परमेश्वर द्वारा उद्धारकर्ता के रूप में इस पृथ्वी पर भेजा गया था, उन्हें एक फलवंत जीवन जीना चाहिए। उसके लिए मसीही संगति में शामिल होना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें यीशु मसीह के साथ सम्बंध में दृढ़ रहना चाहिए। इसीलिए यीशु यूहन्ना 15 में कहते हैं, मैं दाखलता हूँ, तुम डालियाँ हो। मुझमें बने रहो।

प्रियों, यह बड़े सौभाग्य की बात है कि हम इस यीशु के अपने हैं। क्या हम उसमें दृढ़ रह सकते हैं और उसे प्रसन्न कर सकते हैं? या क्या हम उस पौलुस की तरह खड़े हैं जिससे यीशु ने कहा था, "मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है"। यीशु को अपना बनाना हमारे लिए इससे बड़ी कोई आशीष नहीं है! ■

प्रार्थना करें और धन्यवाद दें

कृप्या भाई किन्सन और उनके दो बेटे डेनियल और पेनियल जो "द लॉर्ड्स स्वोर्ड" सेवकाई के संस्थापक हैं, और वे तूतीकोरिन में सहर्ष हमारे सेवकाई में सहयोग कर रहे हैं। भाई किन्सन की धर्म पत्नी श्रीमती प्रिया किन्सन 48 वर्ष 09.12.2023 को परमेश्वर के पास चली गयीं। प्रार्थना करें कि प्रभु इस परिवार को अपनी स्वर्गीय शांति प्रदान करें।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने 14.12.2023 को पूर्व योजना के अनुसार 7वें सेवक को भी समर्पित किया। और ओडिशा में "हो" लोगों के उद्धार के लिए सेवकों को भेजा है। हर प्रकार की परिस्थिति में भी परमेश्वर के राज्य के निर्माण के लिए हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं! *– मेलबन।*

कार्यक्षेत्र के समाचार

स्तुति – प्रार्थना

...तू यहोवा है, और तू जैसा चाहेगा, वैसा ही करेगा। योना 1:4

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति होः प्रगवाल क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभा के माध्यम से कई लोग आशीषित हुए। 25 लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। कामिनी के परिवार को 4 वर्षों के बाद बच्चे का उपहार मिला। 5 परिवार गरोथा विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

प्रार्थना करेंः संजवाली मंडी में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये। भाई गब्बर की आँखों को स्पष्ट दृष्टि मिलने के लिये। कार्यकर्ता राहुल जिनके पिता प्रभु में सो गए हैं, प्रभु उनके समस्त परिवार को सांत्वना देने के लिये। इस क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनका उद्धार होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति होः 12 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। कार्यकर्ता गुरूदेव के परिवार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी। चिलाला क्षेत्र में आराधना भवन समर्पित किया गया। बांगरन क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य परमेश्वर के योजना अनुसार किया गया।

प्रार्थना करेंः डोले क्षेत्र के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। इस कार्यक्षेत्र के कई स्थानों में प्रभु की आराधना प्रारम्भ होने के लिये। कार्यकर्ता प्रेम चुनारा के परिवार को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये। इस क्षेत्र के विश्वासियों द्वारा आसपास के गाँव में सुसमाचार प्रचार होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति होः खोजियों की सभा के माध्यम से कईं लोगों ने अपने पापों का पश्चाताप किया। 16 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 30 परिवारों ने सुसमाचार की सामर्थ के महत्व को महसूस किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। कार्यकर्ता संदीप कुमार के परिवार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी।

प्रार्थना करेंः परमानन्द क्षेत्र के विश्वासी आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। कार्यकर्ता डेविड मसीह जो गुर्दे की पथरी से ग्रसित हैं और उनका इलाज चल रहा है, प्रभु उन्हें पूर्ण चंगाई देने के लिये। 10 गाँव में आयोजित युवाओं के कैंप के लिये। 18 युवा जो पूर्णकालीन सेवकाई के लिये आगे आए हैं, उनके लिए प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति होः एथल प्रांत में परमेश्वर का वचन बोया गया। इस क्षेत्र में कई लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। गगनपुर के ग्रामीण सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं। विश्वासी शोभना और उनके परिवार ने सुसमाचार कार्य के लिये अपने घर का द्वार खोला।

प्रार्थना करेंः इस क्षेत्र के आराधना समूह परमेश्वर के वचन में दृढ़ होने के लिये। नकुलिया क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनके हृदय में पवित्र आत्मा कार्य करने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। उत्तरकाशी जिले में सेवकाई प्रारम्भ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान

परमेश्वर की स्तुति होः बाबू गरसिया को प्रभु यीशु के नाम में नशे से छुटकारा मिला। धनपुरा क्षेत्र में हमनें नानालाल के परिवार को शान्ति के पात्र के रूप में प्राप्त किया। 37 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। डाबड़ी और बावडीडुडा क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुला।

प्रार्थना करेंः लालडा और थूमत गाँव में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनका उद्धार होने के लिये। पुनाकंदोर के परिवार को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये। इस क्षेत्र में पूर्णकालिन सेवक मिलने के लिये। विश्वासी कामेश और उनका परिवार मसीह के प्रेम और विश्वास में दृढ़ होने के लिये, कृपया प्राथ्रना करें।

पश्चिम बंगाल – कोलकाता

परमेश्वर की स्तुति हो: रैना क्षेत्र में आयोजित उपवास प्रार्थना सभा में प्रभु के आश्चर्यकर्म हुए। 4 लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। 9 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा में कई लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना।

प्रार्थना करें: बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। तेघरी और निमौचांदघर क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि के लिये। सरिशा आराधना समूह के लिए आराधना भवन का निर्माण होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

सिक्किम

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में कई लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। बिकास लिंबो ने सुसमाचार सुनने के बाद शराब को सेवन छोड़ दिया और उनके परिवार को शान्ति मिली। बहन पॉलिका राय जो सुनने में असमर्थ थीं, प्रार्थना के माध्यम से वह साफ–साफ सून पा रही हैं। 5 लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: टोपुंग क्षेत्र के विश्वासी आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। टेसेंगथांग और हत्थीढुंगा क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – कंधमाल जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: कार्यकर्ता आलोक नायक जो पैर की चोट से ग्रसित थे उन्हें पूर्ण चंगाई मिली। सेनापदी क्षेत्र के विश्वासी आराधना समूह के लिये भूमि तैयार कर रहे हैं। 4 केन्द्रों में कुई जनसमूह के मध्य में जागरूकता कैंप के माध्यम से कई लोग लाभान्वित हुए।

प्रार्थना करें: 22 विश्वासी जिन्होंने प्रभु को स्वीकार किया, वे परमेश्वर के वचन में दृढ़ होने के लिये। तेजाकिया क्षेत्र में संगीत वाद्ययंत्र की आवश्यकता के लिये। लारीबाड़ी के ग्रामीणों को सड़क सुविधा प्राप्त होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: 7 ऑरान जनसमूह के लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। सुनीता कच्छप के परिवार ने शराब का व्यवसाय छोड़ दिया। भाई शिव नंदन को प्रभु ने जहरीले सांप के काटने से बचाया, उनकी इस गवाही के माध्यम से प्रभु के नाम की महिमा हो रही है। भाई अनिल मिंज

जिन्होंने सुसमाचार सुना और शराब का सेवन छोड़ दिया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में कई लोगों पहली बार सुसमाचार सुना, उनका उद्धार होने के लिये। बहन मेन देवी का परिवार पिछले 10 वर्षों से बच्चे की प्रतीक्षा कर रहे हैं, प्रभु उन्हें बच्चे की आशीष देने के लिये। ताल क्षेत्र में दिखे जाने दुष्ट का कार्य दूर होने और वहां के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 11 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। 10 सेवकों ने सेवकाई प्रारम्भ की। अर्जुन को प्रार्थना के माध्यम से दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। इस क्षेत्र में कई लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना।

प्रार्थना करें: 2 क्षेत्रों में आराधना भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के लिये। अनुसुइया के परिवार को बच्चे की आशीष प्राप्त होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें। 10 सेवकों को कार्यक्षेत्र में सेवकाई के लिये साइकिल की आवश्यकता है, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: मंदिर हसौद क्षेत्र में आयोजित चिकित्सा कैंप के माध्यम से कई लोग लाभान्वित हुए। दुर्ग क्षेत्र में आराधना प्रारम्भ की गयी। भाई राकेश साहू जिन्होंने सुसमाचार सुना और शराब का सेवन छोड़ दिया। बाइबल अध्ययन समूह में कई लोग शामिल हुये।

प्रार्थना करें: 2 लोग जो सेवकाई में शामिल हुये, प्रभु उन्हें बहुतायत के साथ उपयोग करने के लिये। रायपुर कार्यालय के लिये कम्प्यूटर और प्रिंटर प्राप्त होन के लिये। इस क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये। मंदिर हसौद क्षेत्र में टेलरिंग कक्षा प्रारम्भ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: गदौली क्षेत्र में सुसमाचार के लिये द्वार खुलने के लिये। भाई दया राम ने पश्चाताप किया और उन्हें शान्ति मिली। 5 लोग प्रभु के विश्वास में दृढ़ हुये। बहन माला को प्रभु यीशु के नाम में दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला।

प्रार्थना करें: विश्वासी धनी राम की गवाही के माध्यम से उनके समस्त परिवार का उद्धार होने के लिये। अंजना के परिवार को बच्चे की आशीष मिलने के लिये। नवागाँव दिखे जाने वाले दुष्ट के कार्य दूर होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

दबोरा
सेवकाई में है...

प्रभु ने मुझे गुजरात के तापी जिले में सेवकाई को परमेश्वर के प्रेम में बढ़ते हुए देखने का अवसर प्रदान किया। कंभला स्थित आराधना भवन ने 12.12.2023 को अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्होंने दबोरा महिला मेले का आयोजन किया है और इसमें 2000 महिलाएं शामिल हुई। श्रीमती फिलोमेना द्वारा प्रचार किया संदेश और प्रत्येक विश्वासी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने परमेश्वर की महिमा की, इसने मेले ने युवा विश्वासियों को प्रभु के साथ संगति में शक्तिशाली रूप से मजबूत होने के लिए प्रोत्साहित किया। हम उन सभी दबोरा, महिलाओं का स्वागत करते हैं जो परमेश्वर की सेवकाई में चमक रही है। *– रेजिना राज, मुम्बई।*

VISHWA VANI SAMARPAN
FORM IV

1. Place of Publication	:	1-10-28/247, Anandapuram ECIL (PO), Hyderabad - 500 062
2. Periodicity of its Publication	:	Monthly
3. Printer's name	:	P. Selvaraj
Nationality	:	Indian
Address	:	1-10-28/247, Anandapuram ECIL (PO), Hyderabad - 500 062
4. Publisher's name	:	P. Selvaraj
Nationality	:	Indian
Address	:	1-10-28/247, Anandapuram ECIL (PO), Hyderabad - 500 062
5. Editor's name	:	P. Selvaraj
Nationality	:	Indian
Address	:	1-10-28/247, Anandapuram ECIL (PO), Hyderabad - 500 062
6. Name and address of Individuals who own the News Paper and Partners or Shareholders holding more than one percent of the capital	:	Vishwa Vani Registered under the societies. Registered Act XXI of 1980. Registration No. S-17871 of 1987

I, P. Selvaraj, hereby declare that the particulars given are true to the best of my knowledge and belief.

February 2024

(Sd/- P. Selvaraj)
(Signature of Publisher)

यीशु, इस पहाड़ को आशीष दें

मुझमें सिक्किम के पहाड़ों पर चढ़ने की ताकत नहीं है। मैंने परमेश्वर के वचन द्वारा दिए गए प्रकाश और मार्गदर्शन को स्वीकार किया और सिक्किम में कार्य क्षेत्रों का दौरा किया। यह एक लम्बी यात्रा थी, और मैंने अपने हृदय की गहराईयों से गाना शुरू किया, "तुम मेरे सब कुछ हो यीशु"। बादल फटने से पुल अभी भी क्षतिग्रस्त हैं और इसलिए यातायात धीमा और मुश्किल है!

उन छोटे घरों को देखना अद्भूत था जहाँ लोग लेप्चा और राय जनजाति से आते हैं, उनकी जीवन शैली प्रकृति से जुड़ी हुई है, गाँवों में खूबसुरत खेत और आराधना समूह है जहाँ 35 विश्वासी इकट्ठा होकर परमेश्वर की आराधना करते हैं। वे सृष्टिकर्ता की दुर्लभ सृष्टि हैं! शाम 5 बजे तक अंधेरा हो जाता है और यहाँ सेवा बहुत ही चुनौतीपूर्ण है, परन्तु परमेश्वर का अनुग्रह भरपूरी से है। राक्शे, तुमिन और कंबोल जैसे कठिन क्षेत्रों में विशाल आराधना भवनों को खड़ा किया गया है। मेरे पति ने तुमिन क्षेत्र में विश्वासियों के साथ परमेश्वर के वचन का प्रचार किया और यहाँ तक कि मुझे भी अपनी गवाही उनके मध्य बांटने का अवसर मिला। गरजती हुई नदी के तट पर लोअर रिम्बी कार्य क्षेत्र में एक सुन्दर आराधना भवन बनाया गया है। यह परमेश्वर की कृपा से उन्हें गाने और परमेश्वर की स्तुति करने का उपहार भी मिला है। सुसमाचार, ज्योति फैला रहा है और लोगों को शैतान के बुरे कार्यों और जालों से बचा रहा है! सेवकों की पत्नियाँ महिलाओं के बीच परिश्रम के साथ काम कर रही हैं।

हम सिल्लीगुड़ी में संचालित कार्य क्षेत्र के कार्यकर्ता प्रशिक्षण केंन्द्र, व्यावसायिक केंन्द्र, कौशल विकास केंन्द्र और बच्चों के लिए रात्रि कक्षाओं के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं। इससे लोगों में बड़ा परिवर्तन आता है।

हम भाई किंग्सले के लिए प्रभु का धन्यवाद देते हैं जो प्रेरित पौलुस की तरह सेवकाई में रूचि रखते हैं और कार्यक्षेत्रों के दौरा में हमारे साथ थे। सहकर्मियों को भाईचारे के प्रेम में एकजुट करने का इस युवा भाई का प्रयास उल्लेखनीय है! कृप्या प्रार्थना करें कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सेवकाई मजबूत हो और प्रभु हमें वह करने में सक्षम करें जो हम प्रभु के लिए कर सकते हैं। यीशु का नाम महिमांन्वित हो। – *श्रीमती विजी डेनियल राजा, कोयंबटूर*

संथाली गाँवों के लिए शांति का संदेश...

धन्य हैं वे लोग जिन्हें ओडिशा के क्योंझर जिला में सेवा के खुल द्वार विरासत में मिले हैं। हम रेव्ह. आर.ए.जे. सेल्विन दुरई को बधाई देते हैं, जो सेंट पैट्रिक कलीसिया से हैं जिन्होंने घैसपुरा क्षेत्र में सेवकों को समर्पित किया और भेजा। हम डॉ. जेम्स और उनके परिवार को धन्यवाद देते हैं जो इस सेवक के लिए सहयोग कर रहे हैं। प्रभु अपनी महिमा के लिए कलीसिया के सहायक पाद्री, कमेटी के सदस्यों और सेवा के प्रतिनिधियों का सशक्त रूप से उपयोग करें और उन्हें भरपूर आशीष दें! *– समन्वयक, तूतीकोरिन*

असम में एक आराधना भवन सेवा केन्द्र के रूप में...

परमेश्वर का वचन जो लखिनगांव क्षेत्र में बोया गया था वह 30, 60 और 100 गुणा फलवंत हो गया है और पवित्र आत्मा के अद्भूत कार्य दैनिक घटनाएं बन गए हैं।

असम के कोखराझार जिले के 50 सेवारत गाँवों में 8 आराधना समूह बने हैं। उनमें से चौथा आराधना भवन जो अस्थाई रूप से लखिनगांव में बनाया गया था, उसका समर्पण 2.12.2023 को किया गया था! यह छोटा सा अस्थाई आराधना भवन ग्रामीणों और युवा संथाली विश्वासियों के लिए एक आराधना केन्द्र बन गया है जो पूरे हृदय से परमेश्वर की स्तुति कर रहे हैं! प्रभु यीशु की स्तुति हो!

– क्षेत्रीय कार्यकर्ता, पांडु मुर्मू।

वर्तमान समाचार

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ) ने चेतावनी दी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आइ) संचालित गलत सूचना और दुष्प्रचार 2023 और 2024 में वैश्विक स्तर पर बड़े जोखिम उत्पन्न करेगा।

गलत सूचना और दुष्प्रचार रिर्पोट में उजागर किए गए सबसे बड़े अल्पकालिक जोखिम हैं।

चरम मौसम की घटनाओं और पृथ्वी की प्रणालियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन जैसे जैव विविधता हानि को सबसे बड़ी दीर्घकालिक चिंताओं के रूप में जा रहा है।

रिर्पोट में चेतावनी दी गई है कि कई संघर्ष जारी हैं, अंतनिर्हित भू–राजनीतिक तनाव और कमजोर सामाजिक लचीलेपन के कारण संघर्ष का संक्रमण पैदा होने का खतरा है।

रिर्पोट के सर्वेक्षण में 1400 से अधिक वैश्विक जोखिम विशेषज्ञों, उद्योग प्रमुखों और नीति निर्माताओं को शामिल किया गया है।

हे परमेश्वर, हमारी पृथ्वी को उस घमंड से बचाएं जिसमें दुनिया घसीटती है।

त्रिपुरा में परमेश्वर की महिमा

प्रार्थना

प्रभु परमेश्वर
जो स्वर्ग से नीचे पृथ्वी को देखता है
यद्यपि अनेक सिद्धांत हैं,
अनेक बुद्धिजीवि मनुष्य इस
दुनिया में आये हैं
किन्तु इस संसार में
कोई आन्नद नहीं है!
यद्यपि हमने अनेक राजा, शासक
सम्राट, बादशाह
और गणतंत्र देखे हैं।
किन्तु मनुष्यों के बीच शांति
हमने नहीं देखी है।
हालाँकि कई स्कूल, कॉलेज
वैज्ञानिक संस्थान खोले गये
व्यवहार नहीं बदला!
पति–पत्नी के बीच झगड़ा होता है
छात्रों के बीच मार पीट,
समाज में कई कारणों से झगड़े,
देश की सीमाओं पर युद्ध,
शारीरिक और भौतिक हानि
निरंतर बढ़ती ही जा रही है!
हम जैसे लोग
जब हम प्रभु यीशु मसीह की ओर
नहीं देखते,
तब प्रभु, हम
आन्नद और शांति को
कैसे देख सकते हैं?
प्रभु परमेश्वर,
पहले के दिनों से यदि हम तुलना
करें
अब, हमें क्रूस के संदेश की
आवश्यकता है
हे प्रभु अनुग्रह से,
कटनी के लिए लोगों को भेजें
और हजारों ऐसे लोगों को खड़ा करें
जो सुसमाचार भेजने के लिए
उनको सहयोग करें
सब कुछ नया बना दें!
यीशु के नाम में आमीन!

त्रिपुरा एक छोटा सा राज्य है और इसे कभी त्रिपुरा सुंदरी, हिल टिपपेरा और किरातदेश कहा जाता था। 1883 में इसे उदयपुर भी कहा जाता था। यहाँ से हमें प्राकषतिक सुगंध "अगर" मिलती है, इसलिए राजधानी का नाम अगरतला रखा गया। इन लोगों की आय चाय बागानों, रबर और बांस से होती है। राज्य की भाषा बंगला ही है। किन्तु लोग त्रिपुरी, रेयांग और जमातिया बोलते हैं।

त्रिपुरा के लिए बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन गॉस्पेल मूवमेंट का काम अविस्मरणीय है। लोगों को अंधकार से प्रकाश की ओर लाने के लिए सुसमाचार विश्ववाणी आन्दोलन के माध्यम से 520 दुगर्म क्षेत्रों को आशीषित करता है। 75 गाँवों में आराधना भवनों का निर्माण किया गया है। हमारा लक्ष्य 2030 से पहले 1500 स्लम क्षेत्रों में परमेश्वर के उद्धार के प्रकाश को लाना है।

होलोंगथांग क्षेत्र में 71 विश्वासी हैं। इस क्षेत्र के पहले विश्वासी ने अपने समाज के उत्थान के लिए आराधना भवन के निर्माण के लिए अपनी भूमि देने की पहल की। भाई जी.पी.एस रॉबिन्सन – जीजस मीट मिनिस्ट्रीज द्वारा आराधना भवन का निर्माण किया और 18 दिसंबर को इस आराधना भवन का समर्पण किया गया। परमेश्वर सामर्थ्य के साथ उनकी सेवकाई को आशीष दे।

कोकबोरोक बाइबल का किंग जेम्स संस्करण से रेव्ह. डॉ. नेफुराई जमातिया द्वारा ध्यानपूर्वक अनुवाद किया गया था। यह 10 वर्ष की बड़ी योजना पूरी हो गई और कोकबोरोक बाइबल को 19 दिसंबर को त्रिपुरा के लगभग 1500 विश्वासियों के बीच समर्पित किया गया। विश्ववाणी सेवकाई के अगुवे भाई जी.पी.एस रॉबिन्सन और अन्य विशिष्ट अतिथि इस समर्पण समारोह में उपस्थित थे और परमेश्वर की महिमा के लिए कोकबोरोक बाइबल का विमोचन किया गया। उस दिन 1000 बाइबलें तैयार थीं! विश्वासियों ने अपनी कोकबोरोक बाइबल को इस निर्णय के साथ गले लगाया कि वे इसे दिन–रात पढ़ेंगे। इस महान अवसर को देखकर स्वर्ग आन्नदित हुआ होगा! हाल्लेल्लूय्याह! *– सी.एस.आर. प्रेम कुमार, चैन्नई*

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2021-2023 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.01.2024
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2021-2023

Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

BABUBHANDA, ODISHA - 11.12.23

M.VENKATAPURAM, A.P. - 17.12.23

BUSAYAVALASA, A.P. - 12.12.23

HOLONGTHAI KAMI, TRIPURA - 18.12.23

धन्य हैं वे जो सुसमाचार सुनते हैं और इसकी उन्नति के लिए कार्य करते हैं!
वर्तमान और आने वाले संसार मे भी उनकी आषीशें महान हैं!

VADDEPUTTU, A.P. - 15.12.23

GUNNATHOTTAVALASA, A.P - 19.12.23

GEENA, HIMACHAL PRADESH - 17.12.23

PATHARIYA, CHHATTISGARH - 28.12.23

VISHWA VANI SAMARPAN - HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.01.2024**. EDITOR: P. SELVARAJ.